महत्वपूर्ण एवं खास

स्व-सहायता समूह की महिलाओं से ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोरबा । 16 अगस्त 22 प्रार्थिया नोनी बाई पति चमरा सिंह पटेल उम्र 65 वर्ष पता ग्राम सोनपुरी चौकी सर्वमंगला के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोरबा में पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया कि प्रार्थीया द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उजाला स्व सहायता समूह का संचालन किया जाता है, जिन्हे रेडी टू ईट बनाने का ठेका मिला हुआ है, आरोपी मिनेश पुरी गोस्वामी इनके साथ काम करता था जो की 07-08 वर्ष पूर्व रेडी टू इट बनाने के लिए बैंक से प्राप्त ऋण राशि 6 लाख रुपए मिला था। आरोपी मिनेश पुरी गोस्वामी प्रार्थीया को धोखा देकर दूसरे समिति का पैसा वापस करना है कह कर ठगी 3 लाख रुपए कर लिया था, जिसे बार-बार मांगने पर भी नही दे रहा है। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा तत्काल आरोपी मिनेश पुरी गोस्वामी के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिया गया। संतोष सिंह से मिले निर्देश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा थाना कुसमुंडा में आरोपी के विरुद्ध धारा 420, 406 भादवि के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कराकर नगर पुलिस अधीक्षक दर्री सुश्री लितेश सिंह के पर्यवेक्षण मे थाना प्रभारी कुसमुण्डा नवीन देवांगन के नेतृत्व में पुलिस सहायता केंद्र सर्वमंगला प्रभारी विभव तिवारी को आरोपी को गिरफ्तार करने हेतु टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपी मिनेश पुरी गोस्वामी पिता खोम्हन पुरी गोस्वामी उम्र 40 वर्ष पता ग्राम सोनपुरी चौकी सर्वमंगला को तत्काल गिरफ्तार कर आरोपी न्यायिक रिमांड में कटघोरा न्यायालय पेश किया गया है।

वैध सट्टा के विरुद्ध कोतवाली पुलिस लगातार कार्यवाही

20 हजार रुपए के सट्टा पट्टी के साथ 2180 रुपए नगदी रकम जब्त

कोरबा । पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह के द्वारा जिले में अवैध जुआ, सट्टा के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के अनुरूप अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा और नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा योगेश साहू के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस सतत कार्यवाही कर रही है। इसी तारतमय में कोतवाली पुलिस को 17 अगस्त 22 को जरिए मुखबिर सूचना मिला कि पुरानी बस्ती कोरबा के पास सार्वजनिक स्थान पर अलग-अलग दो युवक सट्टा-पट्टी लिखकर रूपए पैसे का दाव लगाकर सट्टा खेलवा रहा है कि सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर पहले एक युवक को घेरा बंदी कर पकड़े जिसे नाम पता पूछने पर अपना नाम संजय कुमार सचदेव उर्फ संजू सिंधी बताया जिसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक कागज पर लगभग दस हजार रुपए का सट्टा पट्टी लिखा मिला तथा उसके कब्जे से सट्टा पट्टी की 1200 रुपए नगद राशि भी बरामद कर जप्त किया गया तथा एक अन्य को भी पुरानी बस्ती में जाकर सट्टा पट्टी खिलाते पकड़े जिसे पूछने पर अपना नाम अब्दुल आशिक उर्फ राज बताया जिसके कब्जे से सट्टा पट्टी लिखा कागज एवं सट्टा पट्टी की नकदी रकम 980 मिला। दोनों युवकों के विरुद्ध धारा 4 -क जुआ अधिनियम के तहत कार्यवाही किया है। अवैध जुआ, सट्टा खिलाने वालों के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी।

छात्रों के लिए अभाविप का हेल्प डेस्क

कोरबा । शिक्षा सत्र 2022-23 में प्रवेश के साथ आगे की गतिविधियां शुरू हो गई है। महाविद्यालयों में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के समक्ष कई तरह की दिक्कतें होती है। उनके समाधान के लिए छात्र-संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा स्थानीय शासकीय पीजी कॉलेज परिसर में हेल्प डेस्क गठित की गई है। इसमें पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हैं। जिनके द्वारा इस सत्र में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों की समस्या जानने के साथ उसका समाधान किया जा रहा है। परिसर के विभाग संयोजक मोंटी पटेल ने बताया कि शैक्षणिक सत्र से संबंधित कई तरह की जानकारी नए विद्यार्थियों को नहीं होती। उन्हें सम्यक मार्गदर्शन देने के लिए हेल्प डेस्क शुरू की गई है।

डेंगू, मलेरिया, पीलिया व संक्रामक रोगों से बचाव हेतु निगम कर रहा लगातार कार्यवाही

❒ वार्ड, बस्तियों में कीटनाशक दवाओं का छिड़क़ाव करने के साथ ही घरों में रखे कूलर व पानी टंकियों की नियमित सफाई तथा रुके हुए पानी निकासी के प्रति कर रहा लोगों को जागरूक, पानी का हो रहा क्लोरिन टेस्ट

कोरबा । डेंगू, मलेरिया, पीलिया व अन्य संक्रामक रोगों से बचाव हेतु महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय के निर्देश पर नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा लगातार वार्ड एवं बस्तियों में कार्यवाही की जा रही है। एक ओर जहां कीटनाशक दवाओं का छिडक़ाव किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर घरों में स्थित कूलर व छत में जमा पानी की निकासी तथा खुली पानी टंकियों व घर के आसपास पानी जमा न होने देने के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है ताकि मच्छरों के पैदा होने व उनको बढऩे से रोका जा सके, वहीं पानी की शुद्धता की जांच हेतु प्रतिदिन क्लोरिन टेस्ट भी किया जा रहा है।

यहां उल्लेखनीय है कि वर्षा ऋतु एवं उसके तत्काल बाद के समय में प्राय: डेंगू, मलेरिया, पीलिया व अन्य संक्रामक बीमारियों के उत्पन्न होने व फैलने की संभावनाएं बन जाती हैं, किन्तु यदि इस दिशा में सभी लोग जागरूक रहें एवं एहतियात बरतें तो इन रोगों के पैदा होने व फैलने से बचा जा सकता है। महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने निगम के स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निगम के वार्ड, बस्तियों, आवासीय व व्यवसायिक क्षेत्रों सहित अन्य आवश्यकतानुसार स्थानों में लगातार कीटनाशक दवाओं का छिडक़ाव कराएं, रूके हुए स्थिर पानी की निकासी कराएं, नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित

करें तथा लोगों को लगातार जागरूक व प्रेरित करें कि वे घर में रखे कूलरों, छत तथा घर के आसपास पानी का जमाव न होने दें। उन्होने निर्देशित किया है कि एक अभियान के रूप में लोगों के घरों में रखे कूलरों से पानी की निकासी भी अपनी देखरेख में कराएं ताकि मच्छरों को पैदा होने से रोका जा सके।

कीटनाशक दवाओं का छिडक़ाव व स्थिर पानी की निकासी - नगर पालिक निगम कोरबा के स्वच्छता विभाग के अमले द्वारा वार्ड, बस्तियों व आवासीय क्षेत्रों में लगातार कीटनाशक दवाओं का छिडक़ाव किया जा रहा है, इसके साथ ही नालियों, जल स्त्रोतों के किनारे, रूके हुए पानी वाले स्थलों आदि में भी दवाओं का छिडक़ाव हो रहा है। इसी प्रकार निगम अमला आवासीय क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों के घरों में रखे हुए कूलर से पानी की निकासी स्वयं की देखरेख में करा रहा है। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि कूलरों से पानी निकलवाने के साथ-साथ लोगों को इस हेतु जागरूक किया जा रहा है तथा उन्हें समझाईश दी जा रही है कि वे कूलर का पानी प्रतिदिन बदले तथा घर में रखी अपशिष्ट सामग्रियों में एवं आसपास पानी का जमाव न होने दें।

डेगू रोग के लक्षण - डेगू बीमारी एडिज नामक मच्छर के काटने से होती है, एडिज मच्छर दिन के समय काटता है, डेगू रोग के प्रमुख लक्षण हैं अचानक तेज सिर दर्द व तेज बुखार, मांसपेशियों तथा जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द होना जो कि आंखों के घुमाने से बढ़ता है, जी मिचलाना व उल्टी होना, गंभीर मामलों में नाक मुंह मसूड़ों से खून आना तथा त्वचा पर चकत्ते उभरना आदि प्रमुख लक्षण है।

बचाव के उपाय- एडिज मच्छर स्थित साफ पानी में पनपते हैं, अत: कुलर, पानी की टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन, फ्रीज की टेऊ, फुलदान, खाली टायर, खुले हुए ओव्हरहेड टैंक, छतों में रूका बरसाती पानी नियमित रूप से खाली किया जाए तथा उन्हें धूप में सुखाने के बाद उपयोग में लाया जाए। जिन बर्तनों में पीने का पानी रखा रहता है, उन्हें ढक कर रखें, घरों के दरवाजे व खिड़कियों में जाली पर्दे लगाए तथा सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, घर में मच्छरनाशक दवाओं का छिडक़ाव कराएं।

प्रतिदिन हो रहा पानी का क्लोरिन टेस्ट- निगम द्वारा पीलिया रोग की संभावनाओं को खत्म करने हेतु प्रतिदिन पानी का क्लोरिन टेस्ट भी कराया जा रहा है, इसके तहत निगम द्वारा पाईप लाईन के माध्यम से की जाने वाली जलापूर्ति व्यवस्था में शहर, वार्ड व बस्तियों के विभिन्न प्वांइटों पर पानी का क्लोरिन टेस्ट कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शुद्ध पेयजल की आपूर्ति घरों में हों।

महापौर व आयुक्त ने की आमजन से अपील-महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय ने आमनागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि डेंगू, मलेरिया, पीलिया व अन्य संक्रामक रोगों से बचाव हेतु सावधानी बरतें। घर में रखे कूलर, छत व घर के आसपास पानी जमा न होने दें, प्रतिदिन कूलर का पानी बदलें, यदि कूलर उपयोग में नहीं लाया जा रहा तो उसका पानी निकालकर एवं सुखाकर कूलर को घर के अंदर रख दें, घर के बर्तनों, फूलदान व अन्य सामग्रियों व जगहों पर पानी जमा न हों, इस हेतु सजग रहें, अपने घर व आसपास की स्वच्छता बनाए रखें।

नागरिकों की सुविधा के लिए राजस्व प्रकरणो के निराकरण में ना हो देरी: डॉ. अलंग

❒ संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग ने पाली एसडीएम कार्यालय और हरदीबाजार तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण

❒ पक्षकारों और अधिवक्ताओं से की मुलाकात, नौ हितग्राहियों को किसान किताब एवं वन अधिकार पत्र का भी किया वितरण

कोरबा । बिलासपुर के संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग ने अनुविभाग पाली का दौरा कर एसडीएम और तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। डॉ. अलंग ने पाली के एसडीएम-तहसीलदार कार्यालय और हरदीबाजार के तहसील कार्यालय में पहुंचकर राजस्व प्रकरणों की जानकारी ली। संभागायुक्त ने कलेक्टर संजीव झा की मौजूदगी में राजस्व संबंधी विभिन्न दस्तावेजों और पंजियों का अवलोकन किया। उन्होने चालू और नस्तीबध्द पुराने प्रकरणों को निकलवाकर केस निपटारे की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। डॉ. अलंग ने पाली एसडीएम और तहसील कार्यालयों में भू अर्जन, नक्शा बटांकन, सीमांकन, डायवर्सन, अर्थदण्ड आदि पंजियों को दो महीने के भीतर अद्यतन करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। साथ ही हरदीबजार तहसील कार्यालय में अपूर्ण पंजियों को एक महीने के भीतर अपडेट करने के निर्देश दिये। संभागायुक्त ने कार्यालय निरीक्षण के दौरान एसडीएम कोर्ट, तहसीलदार कोर्ट, नकल शाखा, डबल्यूबीएम शाखा, नायब नाजिर शाखा एवं उप पंजीयक कार्यालय में जाकर विभागीय कार्यो का जायजा लिया। संभागायुक्त डॉ. अलंग ने राजस्व कार्यालय निरीक्षण के दौरान कार्यालय में काम से आने वाले लोगों से मित्रवत् अच्छा व्यवहार करने और उनकी हर संभव सहायता करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों की सुविधा के लिए राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक देरी नही होनी चाहिए। जिससे किसानों और ग्रामीणों को बार-बार कार्यालय आने की आवश्कता ना हो।

संभागायुक्त ने नकल शाखा, सांख्य लिपिक शाखा, शिकायत शाखा, भू-बंटन शाखा, भू-अर्जन शाखा, नजूल शाखा, स्थापना शाखा का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शाखाओं में मौजूद कर्मचारियों और प्रभारी अधिकारियों को अपनी-अपनी शाखा के सभी रिकॉर्ड अद्यतन और व्यवस्थित रखने के सख्त निर्देश दिए। संभागआयुक्त ने अर्थ दंड के प्रकरणो में मिली राशि को चालान द्वारा निर्धारित समय अवधि में शासकीय खाते में जमा कराने और इसका पूरा रिक्ार्ड पंजी में संधारित करने के भी निर्देश दिए। डॉ. अलंग ने अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कार्यालयों का नियमित निरीक्षण करने भी निर्देश दिए। इस दौरान उप आयुक्त राजस्व अखिलेश साहू, एसडीएम पाली ममता यादव, तहसीलदार पाली ममता रात्रे, तहसीलदार हरदीबाजार रवि राठौर सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

नाबालिग वाहन चालकों पर यातायात पुलिस ने कसा शिकंजा

❒ एक ही दिन में 12 नाबालिग वाहन चालकों पर कार्यवाही

कोरबा । यातायात पुलिस कोरबा ने मंगलवार को शहर में फर्राटा भरने वाले 12 नाबालिग दोपहिया वाहन चालकों पर ताबड तोड़ कार्यवाही कर 24 हजार रुपये समंस शुल्क वसूला है। यातायात पुलिस ने नाबालिगों के पालकों को भी समझाइश दिया है कि भविष्य में यदि नाबालिग को वाहन चलाने देते हैं तो मामला कोर्ट में पेश किया जायेगा। मालूम हो कि जिले में कुछ दिनों से नाबालिग वाहन चालकों की संख्या कुछ ज्यादा ही बढ़ गई थी। स्कूल और ट्यूशन क्लासेज में नाबालिग वाहन चालक ज्यादा ही नजर आ रहे थे। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा और यातायात पुलिस उप अधीक्षक शिव चरण सिंह परिहार के नेतृत्व में यातायात पुलिस ने मंगलवार को शहर के निहारिका, सीएसईबी,टीपी नगर और पुराना बस स्टैंड में पॉइंट लगाकर नाबालिग वाहन चालकों पर कार्यवाही की। यातायात सूबेदार भुनेश्वर कश्यप ने बताया कि नाबालिग वाहन चालकों को रोककर मौके पर उनके पालकों को बुलाया गया और फाइन काटकर व समझाइश देकर वाहन को उनके सुपुर्द किया गया। कार्यवाही में मनोज राठौर, तरुण जायसवाल,घनश्याम राजपूत,सुदामा पाटले की टीम शामिल रही।

अड़सरा जंगल में मृत मिला युवक

कोरबा । पसान थाना क्षेत्र के अड़सरा जंगल में एक युवक का शव मिला है। शव की स्थिति काफी विकृत है। कहा जा रहा है कि किसी जानवर ने इस पर हमला किया और इस वजह से इसकी मौत हुई। मृतक और उसका एक साथी बाइक से किसी स्थान को जाने निकले थे तब यह घटना हुई। पसान थाना प्रभारी एसके धारी ने बताया कि मर्ग कायम किया गया है। फोरेंसिक जांच रिपोर्ट से मामले की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

जानकारी के अनुसार सेनहा निवासी 26 वर्षीय राहुल कुमार के घर पर छठी कार्यक्रम था, रात के वक्त रामायण का कार्यक्रम चल रहा था। साउंड बॉक्स खराब होने पर दूसरा साउंड बॉक्स लेने राहुल गांव में ही रहने वाले अपने दोस्त 24 वर्षीय सुरेश कुमार के साथ बाइक से सेनहा से अड़सरा जा रहा रहा था। रास्ते मे घना जंगल पड़ता है, जंगल के बीच रास्ते में बाइक का तेल खत्म हो गया। राहुल बाइक लेकर धीरे-धीरे आगे बढऩे लगा और सुरेश पीछे-पीछे आ रहा था। राहुल को लगा कि सुरेश थक गया होगा और हल्की बारिश भी हो रही है, कहीं रुका होगा। राहुल गांव अड़सरा पहुंच गया। काफी समय बीत जाने के बाद भी वो सुरेश नहीं दिखा तो इसकी जनाकारी गांव वालों को दी। गांव के लोगों ने जंगल में खोजबीन शुरू की काफी खोजबीन के बाद भी वो नहीं मिला। सुबह के वक्त ग्रामीणों की नजर सुरेश पर पड़ी तो देखा कि पेड़ के खो पर खून से लथपथ पड़ा हुआ था। उसका सिर गायब था। इसकी सूचना ग्रामीणों ने तत्काल पसान थाना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

भूमिगत खदान का बंकर गिरने से हुई मौत के मामले में सेफ्टी बोर्ड के सदस्य उस्मानी ने लिया जायजा, अस्पताल का किया निरीक्षण

कोरबा । कोल इंडिया सेफ्टी बोर्ड के सदस्य अख्तर जावेद उस्मानी ने रजगामार भूमिगत खदान का बंकर गिरने से हुई मौत के मामले का जायजा लेने के साथ ही अस्पताल का निरीक्षण किया। चर्चा करते हुए जावेद ने रजगामार दुर्घटना को दुर्भाग्यजनक बताया। साथ ही कहा कि एसईसीएल के अस्पतालों की स्थिति अच्छी नही है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी होने की वजह से कर्मियों व उनके स्वजनों को चिकित्सा सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

साउथ इस्टर्न कोलफिल्डस लिमिटेड एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के रजगामार भूमिगत परियोजना में दो माह पहले बंकर गिरने की घटना हुई थी। इस दौरान पंप आपरेटर राधेश्याम की मौत हो गई थी। मामले की अभी विभागीय जांच चल रही है। कोल इंडिया सेफ्टी बोर्ड सदस्य व एचएमएस के वरिष्ठ नेता अख्तर जावेद उस्मानी बुधवार को रजगामार पहुंचे और संपूर्ण क्षेत्र का निरीक्षण करने के साथ ही अधिकारी-कर्मचारियों के साथ चर्चा कर घटनाक्रम की जानकारी ली। पत्रकारों से चर्चा करते हुए जावेद ने एसईसीएल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रबंधन को अपने कर्मचारियों के हितों से कोई सरोकार नहीं है। सुरक्षा में लापरवाही बरती जा रही है इससे हादसों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। पिछले दिनों रजगामार खदान में बंकर गिरने से राधेश्याम नामक एक कोलकर्मी की मौत हो गई थी। इस हादसे को लेकर उन्होंने खदान के अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार अधिकारी जब मौके पर थे तब उन्होंने क्यों पंप आपरेटर को यह कार्य करने दिया। उन्होंने यह भी कहाएकि कोल माइंस एक्ट में कोल कर्मी का तीन साल में स्वास्थ्य परीक्षण होता है लेकिन प्रबंधन एक भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।प्रवास के दौरान उन्होंने खदानों के साथ ही विभागीय अस्पताल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि अस्पताल की स्थिति काफी खराब है। डाक्टरों की कमी व सुविधाओं का भी काफी अभाव है।

उत्पाती दंतैल ने किया मरवाही का रूख, 22 हाथी पहुंचे खम्हरिया

कोरबा । जिले के वनमंडल कटघोरा के पसान रेंज में एक ग्रामीण को कुचलकर मौत के घाट उतार देने वाला उत्पाती दंतैल ने बुधवार की रात मरवाही क्षेत्र का रूख कर लिया है। जंगल ही जंगल होते हुए वह सीमा को पार कर वहां के जंगल पहुंच गया। जबकि रेंज के तुलबुल गांव के पास मौजूद 22 हाथियों का दल आगे बढक़र खम्हरिया गांव पहुंच गया है। यहां पहुंचने से पहले हाथियों ने चंद्रौटी गांव में एक ग्रामीण के घर को निशाना बनाते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया। जबकि बीच रास्ते में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की फसल भी रौंद डाली।

बड़ी संख्या में हाथियों के पहुंचने और उत्पात मचाये जाने की सूचना रात में ग्रामीणों द्वारा दिए जाने पर वन विभाग का अमला तत्काल मौके पर पहुंचा और उत्पात मचा रहे हाथियों को खदेडऩे की कार्रवाई की। खदेड़े जाने पर हाथियों ने जंगल का रूख किया। इस दौरान गांव के बाहरी हिस्से में बने एक ग्रामीण के मकान को क्षति ग्रस्त कर दिया। वन विभाग का अमला हाथियों द्वारा रात में किये गए नुकसानी का आकंलन करने में जुटा हुआ है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक वर्तमान में हाथियों का यह दल खम्हरिया गांव के जंगल में मौजूद हैं। हाथियों के आज रात आगे बढक़र कोरबा जिले की सीमा को पार कर मरवाही परिक्षेत्र में जाने की संभावना है। वन विभाग द्वारा वहां के अमले को इसकी सूचना देते हुए सतर्क रहने को कहा गया है। उधर केंदई व ऐतमानगर रेंज में अभी भी हाथियों का अन्य दल विचरणरत है। केंदई में इस दल को आज सुबह कांपानवापारा के पास जंगल में विचरण करते हुए देखा गया। जबकि ऐतमानगर रेंज के मड़ई जंगल में 18 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इस दल ने यहां अभी कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है लेकिन उत्पात की संभावना को देखते हुए वन विभाग सतर्क हो गया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कृष्ण सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य तथ्य में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

हलषष्ठी पूजा का पर्व खमरछठ हर्षोल्लास से मनाया गया

कोरबा । हलषष्ठी पूजा का पर्व खमरछठ बुधवार को शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास से मनाया गया। पूजा के दौरान महिलाओं ने निर्जला उपवास रखकर विधि विधान से पूजा अर्चना की। मंदिर व मोहल्ले में एकजुट होकर महिलाओं ने व्रत कथा का आयोजन कर सुख समृद्धि की कामना की। हलषष्ठी देवी को पसहर चांवल व मुनगा भागी का भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। व्रती माताओं ने छुंही मिट्टी की पुतनी देकर संतान के दीर्घायु की कामना की।

भादो माह के कृष्ण पक्ष षष्ठी को मनाए जाने वाले हलषष्ठी पर्व के लिए महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया। महिलाएं इस व्रत पूजा को विधि विधान से संपन्न करने के लिए सुबह से ही निर्जला उपवास रखी थी। पूजा के लिए विशेष जगह का चयन कर व्रत कथा का आयोजन किया गया। इस आयोजन के व्रती महिलाओं ने पसहर चावल, सुहाग सामाग्री व अन्य पूजन सामाग्रियों की खरीदारी पूर्व में ही कर ली थी। पूजन विधान के अनुसार व्रत के लिए आंगन में छोटा गड्ढा खोदकर तालाब का निर्माण किया गया। जिसके किनारे कांशी, बेर व परसा के डाल को आच्छादित किया गया। छठ माता की प्रतिमा स्थापित की गई। इस व्रत की विशेषता के बारे में महिलाओं ने बताया कि यह एक ऐसा व्रत है, जिसे माताएं संतान के सुख समृद्धि के लिए करती हैं। व्रत में महिलाओं ने हलषष्ठी देवी को प्रसन्न करने के लिए भैंस दूध से बने पसहर चावल के भात व मुनगा भाजी की सब्जी का भोग लगाया। देवी को प्रसन्न करने के लिए मिट्टी के खिलौने भी पूजन सामाग्रियों के साथ व्रत के दौरान चढ़ावा किया गया। पूजन स्थल को पुताई के लिए जिस छुंही मिट्टी का उपयोग किया गया, उससे घर के तमाम सदस्यों को पोतनी दी गई। ऐसा किए जाने के पीछे महिलाओं की यह मान्यता है कि हलषष्ठी माता का आशीर्वाद सदैव उनके साथ रहता है। विधि विधान से व्रत किए जाने के बाद महिलाओं ने लाईए महुवा, मुनगा भाजी व पसहर चावल के भात प्रसाद का वितरण किया। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में महिलाओं ने सामुहिक रूप से हलषष्ठी देवी की पूजा की। पूरे दिन पूजा अर्चना का दौर मंदिरों के अलावा विभिन्न घरों में होती रही। शहरी क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में हलषष्ठी की पूजा पारंपरिक विधि विधान से कर महिलाओं ने परिवार के सुख समृद्धि सहित सुहाग के दीर्घायु की कामना की।